बंगलुरू का एमवीजे कॉलेज बना विजेता

आईआईटी इंदौर में स्मार्ट इंडिया हैकथॉन हार्डवेयर एडिशन ग्रेंड फिनाले

दबंग रिपोर्टर ■ इंदौर

इंडियन इंस्टिट्यूट टेक्नोलॉजी इंदौर में हार्डवेयर एडिशन 'हैकथॉन 2019' के तीसरे संस्करण का ग्रेंड फिनाले शुक्रवार को हुआ। इसका मुख्य उद्देश्य नए इंजीनियर्स को उद्योगों, केंद्रों और समाज से विभिन्न मांगों के लिए नए उत्पाद और समाधान लाने के अवसर प्रदान करना था।

इसमें देश के विभिन्न हिस्सों की दस टीमों ने मेजबानी की, जिनमें छात्र संरक्षक सहित 66 छात्र शामिल थे, जिन्हें अंतिम दौर के लिए चुना गया था। हैकथॉन 'कम्युनिकेशन और फूड टेक्नोलॉजी' विषय पर आधारित थी। इसमें स्मार्ट कम्युनिकेशन के तहत दिव्यांगों के लिए स्मार्ट ग्लास, हेल्थ मॉनिटरिंग और सिक्युरिटी के लिए स्मार्ट ग्लब्ज, विकलांगों के लिए ग्राफिटिक स्मार्ट स्लेट्स, साइलेंस बॉक्स, वहीं फूड टेक्नोलॉजी के तहत ऑटोमेटेड स्वीट मेकिंग मशीन, साइक्रोजेनिक ग्राइंडिंग स्पाइसेस, टेक्नोलॉजी ऑफ रिड्यूसिंग हैवी मेटल कांटमिनेशन इन फिश, आईओटी बेस्ड पेस्टीसाइड का पता लगाना, ऑटोमेटड समोसा एंड रोटी मेकिंग मशीन आदि सब टॉपिक्स हैं, जिसमें प्रत्येक टीम को उद्योग और अनुसंधान के विकास के लिए उसके डिजाइनिंग मेंटर के साथ ही उत्पाद बनाने के लिए आवश्यक उपकरण दिए गए। इसके अलावा संस्थान ने अंतिम प्रोटोटाइप बनाने के लिए प्लास्टिक 3-डी प्रिंटर, लेजर कटर, उन्नत सीएनसी प्रणाली, मानवीय प्रशिक्षण किट के बारे में बताया। संस्थान ने विद्यार्थियों को खेल, योग सत्र, मूवी स्क्रीनिंग प्रदान कर माहौल अनुकूल बनाया। उन्हें प्रेरित करने के लिए आईआईटी इंदौर ने उद्योगों, युवा उद्यमियों और वैज्ञानिकों से अनुसंधान के बारे में बातचीत की। टीम स्पिरिट के निर्माण के लिए शाम को कैरम और शतरंज टूर्नमेंट आयोजित किया गया।

उत्पादों का लगातार मूल्यांकन

जूरी पैनल द्वारा चार राउंड में दैनिक जीवन के आधार पर उत्पादों का लगातार मूल्यांकन किया गया। जूरी पैनल में आईआईटी, आईआईएम और आरआर केट के साइंटिस्ट डीआरडीएल जॉन डीरे, साइबर इंफ्रास्ट्रक्चर, स्वाहा रिसोर्स मैनेजमेंट, एमएचआरडी इनोवेशन सेल और कई प्रतिष्ठित संस्थानों के वरिष्ठ संकाय सदस्य शामिल थे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आईआईटी इंदौर के निदेशक प्रो. प्रदीप माथुर ने विजेताओं को पुरस्कार वितरित कर प्रोत्साहित किया और उनकी सफलता की कामना की। आईओटी सॉल्यूशन, सीनियर प्रेसीडेंट डॉ. वेंकटेश्वरन और मुंबई चेप्टर, एसोसिएट ऑफ फूड साइंटिस्ट और टेक्नोलॉजिस्ट प्रेसीडेंट नीलेश लेले कार्यक्रम के गेस्ट ऑफ ऑनर थे।

यह रहे विनर्स

चार राउंड के बाद प्रथम स्थान बंगलुरू के एमवीजे कॉलेज ने स्मार्ट बीबुक प्रिंटिंग ब्रेल लेटर, फर्स्ट रनरअप पुणे के इंस्टिट्यूट ऑफ केमिकल टेक्नोलॉजी ने क्रायोजेनिक तरल नाइट्रोजन और छोटी सी जगह का उपयोग कर प्राप्त किया। सेकंड रनरअप हरियाणा के द्रोणाचार्य इंजीनियरिंग कॉलेज ने स्वास्थ्य की निगरानी और सुरक्षा प्रोजेक्ट्स, साथ ही स्मार्ट दस्ताने से खिताब प्राप्त किया।

Dabang Dunia (Indore), 13th July 2019, DD2, Page-1